

Dr Vijay Kant Mishra, (BNYS) Consulting
Doctor & head of All department Ezykart

ईजीकार्ट: Direct Selling का नया युग

ईजीकार्ट रिटेल जैसी प्रोडक्ट बेस्ड डायरेक्ट सेलिंग कंपनी में सफल होने के लिए डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए स्टेप-बाय-स्टेप गाइड |)

ईजीकार्ट रिटेल जैसी प्रोडक्ट बेस्ड डायरेक्ट सेलिंग कंपनी में सफलता पाने के लिए डिस्ट्रीब्यूटर्स को कई बातों का ध्यान रखना होता है। आइए, इन बातों को विस्तार से समझते हैं:

1. स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें: अपने व्यवसाय के लिए विशिष्ट, मापने योग्य उद्देश्यों को परिभाषित करें।
2. विकास की मानसिकता विकसित करें: सीखने को अपनाएं, परिवर्तनों को अपनाएं और नई रणनीतियों के लिए खुले रहें।
3. एक मजबूत टीम संस्कृति बनाएं: एक सहायक, प्रेरित और प्रशिक्षित टीम को बढ़ावा दें।

4. निरंतर बने रहें: नियमित रूप से अपने व्यवसाय के निर्माण पर काम करें, भले ही यह हर दिन एक छोटी सी कार्रवाई ही क्यों न हो।

5. व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें: अपने कौशल, ज्ञान और नेतृत्व क्षमताओं में सुधार करें।

6. अपने नेटवर्क का विस्तार करें: नए लोगों से जुड़ें, कार्यक्रमों में भाग लें और ऑनलाइन जुड़ें।

7. उद्योग के रुझानों से अपडेट रहें: उत्पादों, सेवाओं और मार्केटिंग रणनीतियों पर खुद को लगातार शिक्षित करते रहें।

8. उदाहरण के आधार पर नेतृत्व करें: अपनी टीम को दिखाएं कि आप सफलता के लिए प्रतिबद्ध, प्रेरित और समर्पित हैं।

9. सकारात्मक और लचीले रहें: बाधाओं पर काबू पाएं, असफलताओं से सीखें और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें।

याद रखें, नेटवर्क मार्केटिंग में प्रगति के लिए समय, प्रयास और दृढ़ता की आवश्यकता होती है। अपने लक्ष्यों के प्रति केंद्रित, अनुकूलनीय और प्रतिबद्ध रहें, और आप आगे बढ़ेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे!

कुछ अलग करते हैं कुछ ओरिजनल करते हैं

बहुत हो गया हवा में सपने ओर सपनों में हवा

जैसे आप एक छोटे बच्चे को मासूमियत से गोद में उठाते हैं उसकी प्यारी सी मुस्कान को देखकर कर खुश होते हैं बच्चे को फोर्स से नहीं प्यार और तकनीक से उठाते हैं

नेटवर्क मार्केटिंग बिजनेस भी वैसा ही है ये जोर लगाने ताकत लगाने हार्डवर्क करने भागने दौड़ने से नहीं बनता । ये सही तकनीक , सही चुनाव , मासूमियत ओर टीम में प्यार और सम्मान की भावना , सबको साथ रखकर एकजुट होने का समर्पण थोड़ा सा रूककर अपने आप को अपनी टीम को समझ कर लिए गए निर्णय पर कामयाबी मिलेगी। झूठे मोटिवेशनल बातों में समय खराब न करे अपने सुपर ऐक्टिव सीनियर को कॉपी करें या आज ही उनसे बात करे ।।

फिर देखिये कैसे नहीं रियल हैप्पीनेस मिलती।।



जब हमारे पास कोई अच्छी अपॉर्चुनिटी आती है तो हम इसके ऊपर शंका , कुशंका होती है लेकिन जब वह अपॉर्चुनिटी जब मार्केट में हंगामा करती है तब हमें पछतावा के अलावा कुछ हाथ नहीं है आता Ezykart ही एक सिस्टम है पूरे वर्ल्ड का अनोखा MLM Business सिस्टम है इसमें हम सबको 100% देना है।



www.easycartbooster.com

अतिरिक्त टिप्स:

* *अपने उत्पादों का उपयोग करें:* ताकि आप उनके बारे में बेहतर तरीके से बता सकें।

* *ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ें:* उन्हें विशेष महसूस कराएं।

* *नई तकनीकों का उपयोग करें:* सोशल मीडिया, वीडियो मार्केटिंग आदि का उपयोग करके अपने उत्पादों का प्रचार करें।

याद रखें: डायरेक्ट सेलिंग में सफलता के लिए लगातार मेहनत, धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है।



www.easycartbooster.com

6. Stone Care Syrup

साइज़: 200 ml

मुख्य इंग्रेडिएंट्स: वरुण (Varun), शाल (Shaal), पाषाणभेद (Pashanbhed), गोखरू (Gokhru), पुनर्नवा (Punernava), मूली (Mooli), शर (Shar), नागरमोथा (Nagarmotha), मकोय (Makoi), कुलथ (Kulath), यवक्षार (Yavkshar), सज्जीक्षार (Sajjishar), अपामार्ग (Apamarg), लज्जावंती (Lajwanti), सैंधा नमक (Senda Namak), आंवला (Amla), अश्वगंधा (Ashwagandha), शतावर (Shatavar)

इस सिरप के संभावित लाभ और उपयोग:

1. पथरी को तोड़ना और निकालना:
 - वरुण, पाषाणभेद और गोखरू पथरी को तोड़ने और निकालने में मदद कर सकते हैं।
2. मूत्र प्रवाह में सुधार:
 - गोखरू और पुनर्नवा मूत्र प्रवाह को बढ़ा सकते हैं।
3. मूत्र पथ के संक्रमण से बचाव:
 - वरुण और नागरमोथा में एंटीबैक्टीरियल गुण हो सकते हैं।
4. सूजन कम करना:
 - पुनर्नवा और शतावर में सूजन कम करने वाले गुण होते हैं।
5. दर्द में राहत:
 - अश्वगंधा और लज्जावंती दर्द निवारक के रूप में काम कर सकते हैं।
6. मूत्र के pH संतुलन में मदद:
 - यवक्षार और सज्जीक्षार मूत्र के pH को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं।
7. डिटॉक्सीफिकेशन:
 - पुनर्नवा और नागरमोथा शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद कर सकते हैं।
8. प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना:
 - आंवला और अश्वगंधा प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा दे सकते हैं।
9. किडनी के स्वास्थ्य में सुधार:
 - पुनर्नवा और गोखरू किडनी के समग्र स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं।
10. एंटीऑक्सीडेंट गुण:
 - आंवला और मकोय में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 10-20 ml दिन में दो बार (सुबह और शाम)। हालांकि, सटीक मात्रा के लिए बोतल पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: बेहतर परिणामों के लिए कम से कम 1-2 महीने तक नियमित रूप से लें।
3. कैसे लें: सिरप को पानी या गुनगुने पानी के साथ मिलाकर लिया जा सकता है।
4. भोजन के संबंध में: भोजन से 30 मिनट पहले या बाद में लेना बेहतर होता है।
5. नियमितता: नियमित रूप से और निर्धारित समय पर सिरप लें।

सावधानियां:

1. किसी भी पूरक का सेवन शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से परामर्श करें।
2. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
3. यदि कोई एलर्जी प्रतिक्रिया या अन्य दुष्प्रभाव हो तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
4. यदि आप किसी अन्य दवा का सेवन कर रहे हैं, तो इस सिरप के साथ उनके संभावित अंतर्क्रिया के बारे में अपने डॉक्टर से पूछें।
5. यदि आप किसी सर्जरी की योजना बना रहे हैं, तो सर्जरी से कम से कम दो सप्ताह पहले इस उत्पाद का उपयोग बंद कर दें।
6. मधुमेह या उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।
7. निर्धारित समय सीमा के बाद उत्पाद का उपयोग न करें।
8. अतिरिक्त सावधानियां:
 - पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।
 - नमक का सेवन कम करें।
 - संतुलित आहार लें।
 - नियमित व्यायाम करें।

7. पाइल्स केयर सिरप

साइज़: 200 ML

मुख्य इंग्रेडिएंट्स: हरड़ (Harad), बहेड़ा (Baheda), आंवला (Amla), वायविडंग (Vavidang), जीरा (Cumin), अन्य इंग्रेडिएंट्स: अजवाइन, इमली, सोंठ, निशोथ, नीम पत्ता, सरनाई पत्ते, नागकेसर, अमलतास, मोचरस, आदि।

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. बवासीर (पाइल्स) में राहत:
 - हरड़, बहेड़ा और आंवला (त्रिफला) मल त्याग को आसान बनाते हैं और कब्ज से राहत देते हैं।
 - निशोथ में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो बवासीर की सूजन को कम कर सकते हैं।
2. मल त्याग में सुधार:
 - इमली और अमलतास में लैक्सेटिव गुण होते हैं जो कब्ज को दूर करने में मदद करते हैं।
 - जीरा और अजवाइन पाचन को बेहतर बनाते हैं और गैस की समस्या को कम करते हैं।
3. रक्तस्राव को कम करना:
 - नागकेसर और मोचरस में रक्तस्राव रोकने के गुण होते हैं जो बवासीर से होने वाले रक्तस्राव को कम कर सकते हैं।
4. सूजन और दर्द में राहत:
 - नीम और सरनाई पत्ते में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन और दर्द को कम कर सकते हैं।
 - सोंठ दर्द निवारक के रूप में कार्य कर सकता है।
5. त्वचा की देखभाल:
 - नीम और आंवला त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, जो बवासीर से प्रभावित क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 10-15 मिली (2-3 चम्मच) दिन में दो बार, सुबह और शाम को लें। सटीक मात्रा के लिए बोतल पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: सिरप को भोजन के 30 मिनट पहले या बाद में लेना बेहतर होता है।
4. पानी के साथ: सिरप लेने के बाद थोड़ा पानी पीएं।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर सिरप लें।

सावधानियां:

1. किसी भी आयुर्वेदिक उपचार को शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से परामर्श करें।
2. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
3. यदि कोई एलर्जी प्रतिक्रिया या दुष्प्रभाव हो तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
4. यह उत्पाद गंभीर बवासीर के लिए चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है। यदि आपको गंभीर या लगातार रक्तस्राव हो रहा है, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।
5. अतिरिक्त सावधानियां:
 - पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।
 - फाइबर युक्त आहार लें।
 - नियमित व्यायाम करें, विशेषकर पैदल चलना।
 - लंबे समय तक बैठने से बचें।
6. यदि आप किसी अन्य दवा का सेवन कर रहे हैं, तो इस सिरप के साथ उसके संभावित इंटरैक्शन के बारे में अपने डॉक्टर से पूछें।
7. यदि आप किसी सर्जरी की योजना बना रहे हैं, तो सर्जरी से कम से कम दो सप्ताह पहले इस उत्पाद का उपयोग बंद कर दें।
8. इस सिरप को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

याद रखें, यह सिरप बवासीर के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली और आहार का पालन करना भी महत्वपूर्ण है। यदि लक्षण बने रहते हैं या बिगड़ते हैं, तो चिकित्सकीय सलाह लेना सुनिश्चित करें।

8. डायबिटीज केयर सिरप

साइज़: 200 ML

मुख्य इंग्रेडिएंट्स: सोंठ (Sounth), पीपली (Pippli), काली मिर्च (Kali Mirch), नीम पत्ता (Neem Patar), गुडमार बूटी (Gudmar Butti), अन्य इंग्रेडिएंट्स: अश्वगंधा, पनीर दोड़ी, धनिया, इंदर जौ, बेलवा, त्रिफला, जामुन गुठली, गिलोय, मेथी दाना, कुटकी, तुलसी, आदि।

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. रक्त शर्करा नियंत्रण:
 - गुडमार बूटी और जामुन गुठली रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करते हैं।
 - गिलोय और नीम पत्ता इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ा सकते हैं।
2. मेटाबॉलिज्म में सुधार:
 - सोंठ, पीपली और काली मिर्च पाचन और चयापचय को बेहतर बनाते हैं।
 - मेथी दाना ग्लूकोज उपयोग को बढ़ा सकता है।
3. अग्न्याशय के स्वास्थ्य में सुधार:
 - गुडमार बूटी और गिलोय अग्न्याशय के कार्य को बेहतर बना सकते हैं।
4. ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करना:
 - अश्वगंधा और तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो डायबिटीज से संबंधित ऑक्सीडेटिव तनाव को कम कर सकते हैं।
5. जटिलताओं का जोखिम कम करना:
 - त्रिफला और नीम पत्ता डायबिटीज की जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।
6. वजन प्रबंधन:
 - गुडमार बूटी और मेथी दाना वजन प्रबंधन में सहायक हो सकते हैं।
7. प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना:
 - अश्वगंधा और गिलोय प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं।
8. लिपिड प्रोफाइल में सुधार:
 - मेथी दाना और त्रिफला कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 10-15 मिली (2-3 चम्मच) दिन में दो बार, सुबह और शाम को लें। सटीक मात्रा के लिए बोतल पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: सिरप को भोजन के 30 मिनट पहले या बाद में लेना बेहतर होता है।
4. पानी के साथ: सिरप लेने के बाद थोड़ा पानी पीएं।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर सिरप लें।

सावधानियां:

1. किसी भी आयुर्वेदिक उपचार को शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से परामर्श करें, विशेष रूप से यदि आप पहले से ही डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं।
2. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
3. यदि कोई दुष्प्रभाव हो या रक्त शर्करा के स्तर में अचानक बदलाव आए तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
4. यह उत्पाद डायबिटीज के लिए चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है। इसे नियमित दवाओं और जीवनशैली में परिवर्तन के साथ उपयोग किया जाना चाहिए।
5. अतिरिक्त सावधानियां:
 - स्वस्थ वजन बनाए रखें।
 - नियमित व्यायाम करें।
 - संतुलित और नियंत्रित आहार लें।
 - धूम्रपान और शराब से बचें।
6. अपने रक्त शर्करा के स्तर की नियमित रूप से जांच करते रहें और अपने चिकित्सक को सूचित रखें।
7. यदि आप किसी सर्जरी की योजना बना रहे हैं, तो सर्जरी से कम से कम दो सप्ताह पहले इस उत्पाद का उपयोग बंद कर दें।
 - इस सिरप को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

9. लिवर केयर सिरप

साइज़: 200 ML

मुख्य इंग्रेडिएंट्स: भूमि आंवला (Bhumi Amla), मुलेठी (Mulethi), रोहितका (Rohtika), शाल्मली (Shaal), पुनर्नवा (Punarnava), अन्य इंग्रेडिएंट्स: पित पापड़ा, दारुहल्दी, पिपलामूल, सर्पगंधा, भृंगराज, गिलोय, आंवला, मकोय, कुटकी, अर्जुन, हरड़, बहेड़ा, अश्वगंधा, नागरमोथा, इमली, आलूबुखारा (प्लम), सोंठ, तुलसी

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

1. लिवर की कार्यक्षमता में सुधार:
 - भूमि आंवला और पित पापड़ा लिवर की कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।
 - कुटकी लिवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है।
2. विषहरण (डिटॉक्सिफिकेशन):
 - पुनर्नवा और भृंगराज शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करते हैं।
 - गिलोय लिवर को विषाक्त पदार्थों से बचाने में सहायक है।
3. एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव:
 - आंवला और तुलसी में मजबूत एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो लिवर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं।
4. पाचन में सुधार:
 - मुलेठी और सोंठ पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं।
 - हरड़ और बहेड़ा मल त्याग को नियमित करने में मदद करते हैं।
5. सूजन कम करना:
 - दारुहल्दी और मुलेठी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो लिवर की सूजन को कम कर सकते हैं।
6. रक्त शुद्धिकरण:
 - नीम और पुनर्नवा रक्त को शुद्ध करने में मदद करते हैं।
7. पित्त प्रवाह में सुधार:
 - पित पापड़ा और भूमि आंवला पित्त के प्रवाह को बेहतर बनाते हैं।
8. हृदय स्वास्थ्य में सुधार:
 - अर्जुन हृदय के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, जो लिवर के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है।

उपयोग का तरीका और मात्रा:

1. मात्रा: सामान्यतः 10-15 मिली (2-3 चम्मच) दिन में दो बार, सुबह और शाम को लें। सटीक मात्रा के लिए बोतल पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
2. समयावधि: आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, इस प्रकार के हर्बल उपचार को पूर्ण प्रभाव दिखाने के लिए लगभग 3 महीने या 90 दिनों तक लगातार लेना चाहिए।
3. भोजन के साथ: सिरप को भोजन के 30 मिनट पहले या बाद में लेना बेहतर होता है।
4. पानी के साथ: सिरप लेने के बाद थोड़ा पानी पीएं।
5. नियमितता: बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से और निर्धारित समय पर सिरप लें।

सावधानियां:

1. किसी भी आयुर्वेदिक उपचार को शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक या आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से परामर्श करें, विशेष रूप से यदि आपको पहले से कोई लिवर की समस्या है।
2. गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
3. यदि कोई एलर्जी प्रतिक्रिया या दुष्प्रभाव हो तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
4. यह उत्पाद गंभीर लिवर रोगों के लिए चिकित्सकीय उपचार का विकल्प नहीं है।
5. अतिरिक्त सावधानियां:
 - शराब का सेवन न करें या कम करें।
 - संतुलित आहार लें और जंक फूड से बचें।
 - नियमित व्यायाम करें।
 - पर्याप्त नींद लें।
6. यदि आप किसी अन्य दवा का सेवन कर रहे हैं, तो इस सिरप के साथ उसके संभावित इंटरैक्शन के बारे में अपने डॉक्टर से पूछें।
7. यदि आप किसी सर्जरी की योजना बना रहे हैं, तो सर्जरी से कम से कम दो सप्ताह पहले इस उत्पाद का उपयोग बंद कर दें।
8. इस सिरप को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

10. Female Care Syrup

साइज़: 200ML

मुख्य इंग्रेडिएंट्स: अशोक (Ashoka), शाल (Sal), आंवला (Amla), सुपारी (Supari), गिलोय (Giloy), अन्य इंग्रेडिएंट्स: 6. बाबूल (Babool) 7. अर्जुन (Arjun) 8. दारुहल्दी (Daruhaldi) 9. हरड़ (Harar) 10. गुलाब (Rose flower) 11. शतावर (Shatavari) 12. मजीठ (Majith) 13. मोचरस (Mochras) 14. कीकर गोंद (Kikar gum) 15. सोंठ (Dry ginger) 16. अश्वगंधा (Ashwagandha) 17. लोध्र (Lodhra) 18. माजूफल (Majuphal) 19. अनंतमूल (Anantmool) 20. जटामांसी (Jatamansi) 21. जीरा (Cumin) 22. मेथी दाना (Fenugreek seeds) 23. नागकेसर (Nagkeshar) 24. विदारीकंद (Vidarikand)

इस प्रोडक्ट के संभावित लाभ और उपयोग:

- मासिक धर्म नियमन:
 - अशोक और लोध्र मासिक धर्म को नियमित करने में मदद कर सकते हैं।
 - यह अनियमित मासिक धर्म और मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द (डिसमेनोरिया) में राहत दे सकता है।
- हार्मोनल संतुलन:
 - शतावर और अश्वगंधा महिलाओं में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।
 - यह पीएमएस (प्री-मैस्ट्रुअल सिंड्रोम) के लक्षणों को कम कर सकता है।
- प्रजनन स्वास्थ्य:
 - विदारीकंद और शतावर प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।
 - यह बांझपन के मामलों में सहायक हो सकता है।
- मेनोपॉज के लक्षणों में राहत:
 - अशोक और शतावर मेनोपॉज के लक्षणों, जैसे गर्म फ्लशेस और मूड स्विंग्स, को कम करने में मदद कर सकते हैं।
- रक्त शोधन:
 - गिलोय और नीम रक्त को शुद्ध करने में मदद कर सकते हैं।
 - यह त्वचा संबंधी समस्याओं को कम कर सकता है और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है।
- पाचन स्वास्थ्य:
 - आंवला, हरड़, और जीरा पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।
 - यह पेट संबंधी समस्याओं, जैसे अपच और कब्ज, को कम कर सकता है।
- प्रतिरक्षा बूस्टर:
 - गिलोय, आंवला, और अश्वगंधा प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।
- एनीमिया से बचाव:
 - लौह युक्त जड़ी-बूटियां जैसे अशोक और अनंतमूल एनीमिया से बचाव में मदद कर सकती हैं।
- त्वचा और बालों का स्वास्थ्य:
 - आंवला, अश्वगंधा, और गुलाब त्वचा और बालों के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।
- तनाव प्रबंधन:
 - जटामांसी और अश्वगंधा तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकते हैं।

उपयोग का तरीका:

- मात्रा: सामान्यतः 10-20 मिली (2-4 चम्मच), दिन में दो बार। सटीक मात्रा के लिए पैकेज पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।
- उपयोग विधि:
 - सीधे या थोड़े से पानी में मिलाकर लें।
 - आवश्यकतानुसार शहद या गुनगुने पानी के साथ भी लिया जा सकता है।
- समयावधि: नियमित रूप से 2-3 महीने तक लें। लंबे समय तक उपयोग के लिए चिकित्सक से परामर्श करें।
- भोजन के साथ: आमतौर पर भोजन के बाद लेना सबसे प्रभावी होता है।

सावधानियां:

- गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को इस उत्पाद का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।
- यदि आपको इसमें शामिल किसी भी घटक से एलर्जी है, तो इस उत्पाद का उपयोग न करें।
- यदि आपको गंभीर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं हैं, तो सावधानी बरतें क्योंकि कुछ जड़ी-बूटियां पाचन को प्रभावित कर सकती हैं।
- यदि कोई दुष्प्रभाव हो, जैसे पेट में परेशानी या एलर्जी प्रतिक्रिया, तो तुरंत उपयोग बंद कर दें और चिकित्सकीय सलाह लें।
- 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के लिए अनुशंसित नहीं है। किशोरियों के लिए उपयोग से पहले चिकित्सक से परामर्श करें।
- ठंडे और सूखे स्थान पर, सीधी धूप से दूर रखें।